वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अनिल शास्त्री): (क) और (ख) मैसर्स भारत रिफ्रैक्टरीज़ सरकारी क्षेत्र का एक उपक्रम है जिसकी निर्धारण वर्ष 1989-90 तक की आयकर विवरणियों में हानि दर्शायी है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई लेखा परीक्षा रिपोर्टों को गणना में लेकर वर्ष 1989-90 का निर्धारण पूरा किया गया है। अभिलेख में ऐसा कुछ सारवान नहीं है जिससे यह दर्शित होता हो कि विवरणियां मनमाने ढंग से भरी गई हैं, जिसके कारण करोड़ों रुपयों के राजस्व की हानि हो रही है।

मैसर्स वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन द्वारा आयकर का अपवंचन

358. **श्री राम अवधेश सिंह:** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पटना मंडल के आयकर विभाग के उच्च अधिकारियों की सांठ-गांठ से औषधि निर्माता कम्पनी वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्रति वर्ष कम से कम 20 करोड़ रूपये के आयकर का अपवंचन कर रही है? और

(ख) यदि हां, तो सरकार सही राशि वसूल करने के लिये इस कम्पनी के विरुद्ध क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है।

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अनिल शास्त्री): (क) ऐसी रिपोर्ट मिली है कि "वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन" नाम की ऐसी कोई कम्पनी नहीं है, जिसका पटना में आयकर के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण किया गया हो। लेकिन, मैसर्स वैद्यनाथ आयुर्वेद भवन, जोकि कलकत्ता में स्थित एक मौजूदा कर-निर्धारिती हैं, के बारे में आयकर-अपवंचन का कोई मामला जानकारी में नहीं आया है।

(ख) ऊपर भाग (क) के उत्तर को देखते हुए इसका प्रश्न ही नहीं उठता।

पटना की रत्ना छाप ज़र्दा निर्माता कंपनी द्वारा आयकर और उत्पाद शुल्क की सही राशि का भुगतान न किया जाना

359. **श्री राम अवधेश सिंह:** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि स्थानीय पटना मंडल के आयकर एवं केन्द्रीय उत्पाद विभागों के उच्च अधिकारियों की मिलीभगत से मुजफ्फरपुर स्थित रत्ना छाप ज़र्दा निर्माता कंपनी अपने तुलन पत्रों में अपनी निवल आय 3 प्रतिशत से भी कम दर्शाती है जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 15 करोड़ रूपए से अधिक के केन्द्रीय राजस्व की हानि होती है;

(ख) क्या सरकार पटना मंडल के आयकर और उत्पाद शुल्क विभागों के कार्यालयों के अधिकारियों की समाज-विरोधी गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए इस मामले को केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने का विचार रखती है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अनिल शास्त्री): (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण भंडार

360. **डा० रत्नाकर पाण्डेय:** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक के पास कुल कितनी मात्रा में सोना उपलब्ध है;

(ख) पिछले छः महीनों में इस मात्रा में कितनी वृद्धि हुई है; और

(ग) पिछले छः महीनों में कितनी मात्रा में सोना जब्त किया गया और उसका निपटान किस प्रकार किया गया?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अनिल शास्त्री): (क) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि आज की स्थिति के अनुसार बैंक की स्वर्ण धारिता 332,562,924.09330 फाइन ग्राम है।

(ख) पिछले छः महीनों में बैंक की स्वर्ण धारिता में 7,574,093.52582 फाइन ग्राम की वृद्धि हुई है।

(ग) उपलब्ध सूचना के अनुसार जनवरी से जून 1990 तक की अवधि में कस्टम अधिकारियों ने 2566 किलोग्राम (अनन्तिम आंकड़े) तस्करी का सोना पकड़ा। जब्त किया गया सोना सरकारी टकसाल में सरकार के खाते में जमा किया गया है।